भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या:1251
10 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

देश में बच्चों और किशोरों में मोटापे का बढ़ता प्रसार

1251 श्रीमती सुधा मूर्तीः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) द्वारा दर्शाए गए बच्चों और किशोरों में अधिक वजन और मोटापे की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए जिम्मेदार कारकों की जांच की है, जबकि स्कूलों में भोजन और पोषण शिक्षा जैसे पोषण कार्यक्रम और पहलें संचालित की जा रही हैं; और
(ख) क्या मंत्रालय शारीरिक गतिविधि में कमी, स्क्रीन पर अधिक समय बिताना, खान-पान की आदतों और जीवनशैली में बदलाव जैसे कारकों को संबोधित करने के लिए आयु-अनुकूल, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों के माध्यम से लक्षित हस्तक्षेप प्रस्तावित करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री और
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख) राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 (2019-21) के अनुसार, समग्र रूप से 24% भारतीय महिलाएं और 23% भारतीय पुरुष अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। 5 वर्ष से कम आयु के 3.4% बच्चे अधिक वजन (ऊंचाई के अनुपात में वजन) से ग्रस्त हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निगरानी सर्वेक्षण (2017-18) के अनुसार, वयस्कों (18-69 वर्ष) में मोटापे का प्रसार 6.2% है।
अस्वास्थ्यकर आहार, गतिहीन जीवनशैली और पर्यावरणीय कारकों का मोटापे की बढ़ती व्यापकता में प्रमुख योगदान है। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का बढ़ता सेवन, शारीरिक गतिविधि में कमी और जीवनशैली में बदलाव ने इस बढ़ती हुई समस्या को और भी बढ़ा दिया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों आबादी प्रभावित हो रही हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत जीवन चक्र संबंधी दृष्टिकोण में प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल, किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण (आरएमएनसीएएच+एन) कार्यनीति को लागू करता है, जिसमें देश भर में बच्चों में मोटापे सहित पोषण संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए हस्तक्षेप शामिल हैं, जैसा कि नीचे दिया गया है:

i. भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा शुरू किए गए ईट राइट मूवमेंट का उद्देश्य बच्चों सहित नागरिकों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन खाने के जरिए अपने अपने स्वास्थ्य और आरोग्यता में सुधार करने के लिए प्रेरित करना है और साथ ही यह जन जागरूकता पैदा करना है कि नमक, चीनी और वसा से भरपूर खाद्य पदार्थों का नियमित और अत्यधिक सेवन मोटापे का कारण बनता है।

ii. भारत सरकार 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसे देशव्यापी अभियानों के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करती है, जहां लोगों को स्वस्थ और फिट रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

iii. स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक गतिविधियों सहित निम्नलिखित गतिविधियां, राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के माध्यम से प्रोत्साहित की जाती हैं:

- आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत सामुदायिक स्तर पर आरोग्यता संबंधी कार्यकलापों को और लक्षित संचार को प्रोत्साहित करना है।
- आयुष मंत्रालय द्वारा योग संबंधी गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं।
- एनपी-एनसीडी के अंतर्गत प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया माध्यमों से जागरूकता पैदा करने संबंधी कार्यकलापों (आईईसी) के लिए वित्तीय सहायता।
- स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के लिए प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जाता है।
- राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के अंतर्गत, सरकार 10-19 वर्ष की आयु वर्ग के किशोरों के स्वास्थ्य और आरोग्यता में सुधार के लिए निवारक, प्रोत्साहक और उपचारात्मक हस्तक्षेप करती है।
- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत, जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों में स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और निःशुल्क उपचार करने के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम लागू किया गया है।